दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड
DSSSB TGT & PGT
ROJGAR WITH ANKIT
Part-B
SCHOLAR BATCH
INDIAN ECONOMY
Poverty
Part -6

बेरोजगारी

→ किसी व्यक्ति की इच्छा, योग्यता, क्षमता होने के बावजूद भी काम न मिले, तो उस व्यक्ति की ऐसी स्थिति को बेरोजगारी कहते हैं।

① प्रच्छन्न बेरोजगारी (छिपी हुई) / अदृश्य बेरोजगारी। (ग्रामीण / कृषि क्षेत्र में पायी जाती)
② मौसमी बेरोजगारी (ग्रामीण / कृषि क्षेत्र में पायी जाती है)
③ चक्रीय बेरोजगारी (विकसित देश – मांग)
④ संरचनात्मक बेरोजगारी (विकासशील देशों) – आधारभूत संरचना अभाव।
⑤ शिक्षित बेरोजगारी (योग्यता के अनुरूप काम न मिले)
⑥ प्रतिरोधात्मक बेरोजगारी (New technology) / Company Joining.

इच्छा
क्षमता
योग्यता
→ काम न मिले → बेरोजगारी की स्थिति

Digvijay Sir GS

चक्रीय बेरोजगारी :-

विकसित देशों की एक विशेषता

संरचनात्मक बेरोजगारी = विकासशील देशों की एक विशेषता है

जनसंख्या अधिक
(Skill)

द्वितीयक क्षेत्र
आधारभूत ढांचे की कमी

- Industries ×
- Manufacturing ×
- Construction ×

काम!

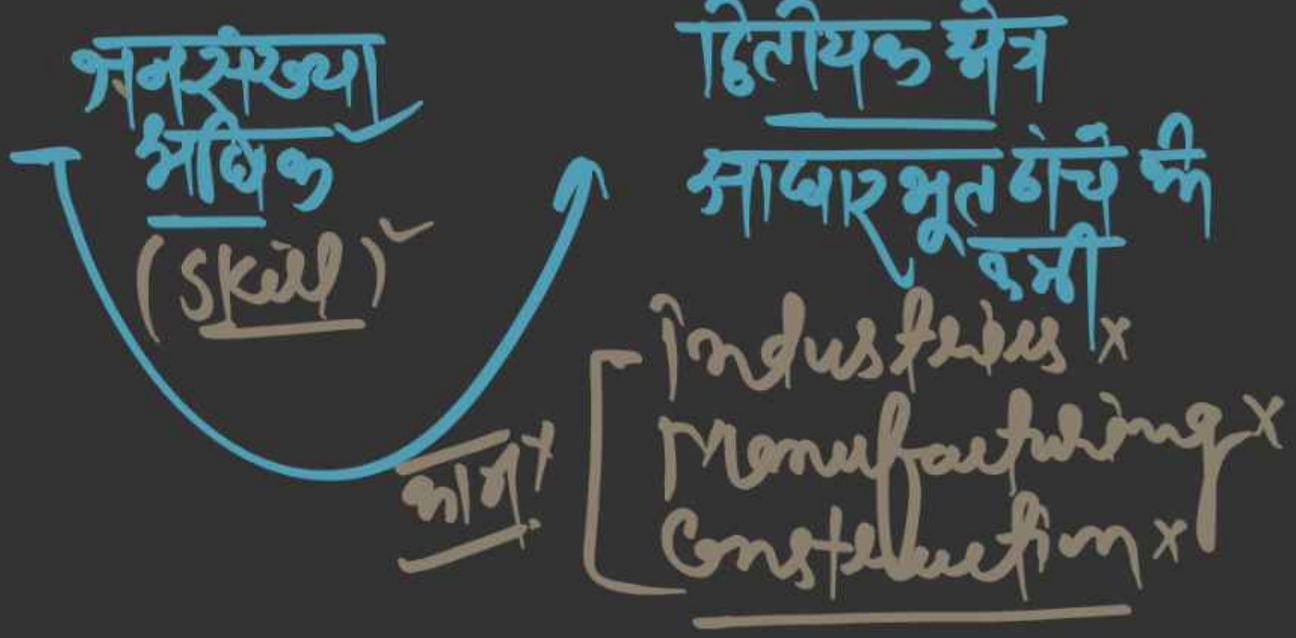

निर्धनता

गरीबी मापन

गरीबी :-

⇒ आधारभूत संसाधनों से वंचना की स्थिति। अर्थात किसी भी व्यक्ति की ऐसी स्थिति, जहाँ वह जीवन यापन करने हेतु न्यूनतम आर्थिक संसाधन भी नहीं जुटा पाता, उस व्यक्ति की ऐसी स्थिति को गरीबी कहते हैं।

⇒ आधारभूत संसाधन -
1. बेहतर स्वास्थ्य
2. शिक्षा
3. आवास
4. भोजन
5. वस्त्र
6. स्वच्छ पेयजल
7. बिजली

गरीबी

1) सापेक्ष गरीबी (Relative Poverty)

⇒ आय के मध्य असमानता ज्ञात करने के लिए।

① लॉरेंज वक्र - 1905 (मैक्सओ लॉरेंज)

② गिनी गुणांक - 1912 (कोरेडो गिनी)

Value [0] - [1]
- 0 → पूर्ण समानता
- 1 → पूर्ण असमानता

0-1

2) निरपेक्ष गरीबी (Absolute Poverty)

⇒ गरीबों की संख्या का निर्धारण Head Count Method से किया जाता है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :-

① सर्वप्रथम गरीबी निर्धारण का प्रयास दादा भाई नौरोजी ने किया था। (1870)
सिद्धान्त - जीवन का निर्वाह लागत।

② मिन्हास 1958 - 1959 से 1967 - 68 तक लेकर ग्रामीण गरीबों की संख्या में कमी आयी है।

③ गरीबी रेखा के निर्धारण के लिए योजना आयोग ने NSSO के साथ एक टास्क फोर्स का गठन किया।

⇒ गरीबी रेखा का निर्धारण कैलोरी खपत के आधार पर (रथ - दांडेकर फॉर्मूला, MK रथ, BM दांडेकर)

- ग्रामीण 2400 कैलोरी
- शहरी 2100 कैलोरी

1989 - डी टी लकड़वाला की अध्यक्षता में एक और समिति गठित।

1993 - रिपोर्ट प्रस्तुत की

⇒ राज्यवार अलग - अलग निर्धनता रेखा का निर्धारण करना है।

⇒ राज्यवार कीमतों में अन्तर है।

⇒ उपभोक्ता मूल्य सूचकांक [ग्रामीण श्रमिक, शहरी श्रमिक]

⇒ '35 निर्धनता रेखा'

⇒ अलग - अलग राज्यों के लिए अलग - अलग निर्धनता रेखा का निर्धारण करना।

सुरेश तेंदुलकर समिति = 2006

Report = 2009.

सिद्धान्त - Basket of Minimum Goods.

गरीबी - आधारभूत आवश्यकताओं से वंचना की स्थिति है।

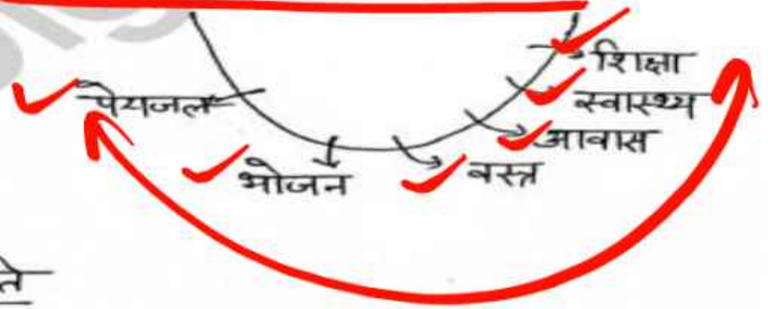

रंगराजन समिति

⇒ गठन = 2012.

⇒ प्रतिव्यक्ति आय को आधार बनाया गया।

शहरी = 28.65 ₹ / Day

ग्रामीण = 22.44 ₹ / Day.

Digvijay Sir GS